हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 10)(हम धरती के लाल – शील)

(कक्षा 7)

प्रश्न 1:

कविता से

नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़कर उत्तर दो।

नया संसार बसाएँगे, नया इंसान बनाएँगे।

प्रश्न क:

तुम्हारे विचार से नया संसार बसाने और नया इंसान बनाने की जरूरत है या नहीं ? कारण भी बताओ।

उत्तर क:

हमारे विचार से नया संसार और नया इंसान बनाने की बेहद जरूरत है , क्योंकि आज के समय में लोग इंसानियत और भाईचारा भूल चुके हैं । इसे फिर से शुरू करने के लिए लोगों के व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए उनके अंदर नई उमंग अर्थात नए संसार के निर्माण की आवश्यकता है ।

प्रश्न ख:

रोज त्योहार मनाएँगे। ,

तुम्हारे विचार से क्या रोज त्योहार मनाना उचित है ? क्यों?

उत्तर ख:

रोज–रोज त्योहार मनाने से कवि का तात्पर्य यह है कि वह संसार में चारों तरफ खुशहाली और त्योहार जैसा माहौल देखना चाहता है । यदि ऐसा है तो रोज–रोज त्योहार मनाना उचित है ।

प्रश्न ग:

सौ सौ स्वर्ग उतर आएँगे, सूरज सोना बरसाएँगे।

दूध पूत के लिए बदल देंगे तारों की चाल ,

क्या ऊपर लिखी बातें संभव हो सकती हैं ? कारण भी पता करो ?

उत्तर ग:

ऊपर लिखी बातें पूर्णतया सच हो सकती हैं , यदि हम समाज में फिर से भाईचारा और प्रेम का माहौल बना दें । इसके लिए करना कुछ नहीं है सिर्फ अपने अंदर के अहंकार को मारना है और लोगों के सुख–दुख को आपस में मिलकर बॉटना है ।

प्रश्न घ:

कवि 'हम धरती के लाल' ही क्यों कहना चाहते हैं ?

उत्तर घ:

कवि हम धरती के लाल इसलिए कहना चाहते हैं क्योंकि बच्चे जो मन में ठान लें उसे करके ही मानते हैं । यदि बच्चों के प्रण से ऐसा हो हो जाए तो संसार स्वर्ग बन जाए ।

प्रश्न 2:

वाक्य बनाओ

'सुख–स्वप्नों के स्वर गूँजेंगे।'

इसमें 'स' अक्षर बार–बार आया है।

तुम भी नीचे लिखे वर्णों से वाक्य बनाओ। ध्यान रखो कि उस वर्ण से शुरू होने वाले तीन शब्द तुम्हारे वाक्य में हों।

प्रश्न क:

क,...

उत्तर क:

कल कल करते झरने

प्रश्न ख:

त...

उत्तर ख:

तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहुछाए

प्रश्न ग:

द...

उत्तर ग:

दहक दहक दहकती आग

प्रश्न 3:

शब्द–सज्जा

प्रश्न क:

'हम नया भूगोल बनाएँगे।'

ऊपर लिखी पंक्ति में 'भूगोल' शब्द की जगह और कौन–कौन से शब्द आ सकते हैं?

नीचे दिए गए बॉक्स में से छाँटो और कुछ शब्द स्वयं सोचकर लिखो।

संसार, कल्पना, इंसान, पौधा, चेतना माना, दुनिया, इतिहास

उत्तर क:

संसार

इंसान

इतिहास

प्रश्न खः

नीचे लिखे शब्दों को तुम्हारे घर की भाषा में क्या कहते हैं?

कः

देश ....

कः

जनता

खः

धरती................

खः

भूमि

गः

दूध ....

गः

दूध

घः

जनता ....

घः

भीड़

ङः

त्योहार ....

ङः

चः

इंसान ....

चः

आदमी

प्रश्न 4:

सोचो और बताओ

प्रश्न कः

कवि एक नया संसार बसाना चाहता है जहाँ मानव की मेहनत पूजी जाए, जहाँ जनता में एकता हो, जहाँ सब समान हों, जहाँ सभी सुखी हों। तुम्हें अपने संसार में ऊपर लिखी बातें नजर आती हैं या नहीं ? इन बातों के होने या न होने का क्या कारण है ?

उत्तर कः
हमें अपने संसार में ये बातें नजर नहीं आती हैं क्योंकि आज का आदमी केवल अपने बारे में ही सोचता है वह केवल अपना ही भला चाहता है । इसीलिए यहॉ किसी की मेहनत को नहीं उसकी पहचान को पूजा जाता है इसी कारण सब दुखी हैं।

प्रश्न खः
तुम भी अपने संसार के बारे में कल्पनाएँ जरूर करते होंगे। अपने सपनों की दुनिया के बारे में बताओ।
उत्तर खः
मैं अपने संसार के बारे में ऐसी कल्पना करता हूँ जहॉ कोई किसी का दुश्मन न हो सभी एक दूसरे के बारे में सोचें एक–दूसरें का कल्याण अपना कल्याण समझें सभी मिलकर रहें ।

प्रश्न 5:
कैसे?
बताओ तुम ये काम कैसे करोगे ? शिक्षक से भी सहायता लो।
प्रश्न कः
समय को राह दिखाना
उत्तर कः
मैं समय को उसका महत्व बताते हुए उसे ऐसी राह दिखाउंगा जहॉ लोगों का समय खराब न हो और वे सभी समय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें ।

प्रश्न खः
जनता को एक करना
उत्तर खः
मैं जनता को एक करने के लिए उन्हें आपसी भाईचारे के बारे में बताउंगा लड़ाई–झगड़े की बुराइयॉ बताते हुए उन्हें एक करूंगा।

प्रश्न गः
तारों की चाल बदल देना
उत्तर गः
मैं लोगों के अंदर से अंधविश्वास को खत्म करते हुए तारों की चाल बदल दूँगा , अर्थात उन्हें रूढ़ियों से बाहर निकालूंगा

प्रश्न घः
नया भूगोल बनाना
उत्तर घः
मैं समाज से बुराई मिटाकर उसका नक्शा (भूगोल) बदल दूँगा ।

प्रश्न चः
नया इंसान बनाना

उत्तर चः
मैं इंसान के अंदर से बैर भावना का मैल निकालकर उन्हें साफ–सुथरा इंसान बना दूँगा।